६०१/११४

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - ७ जून, २००९)

(समय : सुबह ९:०० से १२:००)

सत्संग प्रवीण - १

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : १००**

विभाग-१ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना - प्रथम संस्करण, अप्रैल - २००३

प्र.१ निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए । (संदर्भ शास्त्र का नाम और क्रमांक लिखना अनिवार्य है ।) [६]

१. एकांतिक धर्म की प्राप्ति एकांतिक पुरुष के सत्संग से होती है । (७८-७९)
२. भगवान को निराकार समझने से हानि । (१४)
३. उपासना किसे कहते है ? (३)
४. उत्पत्ति सर्ग । (४६)

प्र.२ प्रमाण, सिद्धांत अथवा पंक्ति पर से विषय का शीर्षक दीजिए । [५]

उदाहरण : ''मारुं धाम छे रे, अक्षर अमृत जेनुं नाम । तेमां हुं रहुं रे, द्विभुज दिव्य सदा साकार ॥''

उत्तर : धाम में और पृथ्वी पर - दोनों जगह सदा साकार ।

१. ब्रह्म तो एकदेशस्य है । सर्वदेशीय नहीं है । (२०)
२. यहाँ जो दिखाई देती है, ऐसी ही मूर्ति अक्षरधाम में है । उसमें लेशमात्र भी अंतर नहीं है । (१३८)
३. 'नारी नयन सर जाहि न लागा, घोर क्रोध तम निशि जो जागा ।
लोभ पास जेहि गर न बंधाया, सो नर तुम्ह समान रघुराया ।' (९०)
४. अन्य अवतार सदृश जानेगा, तो उसका यह आचरण उस स्वरुप के विरुद्ध द्रोह कहलाएगा । (३५)
५. परमेश्वर तो देश, काल, कर्म और माया की सत्ता को जितना चलने देते हैं, उतनी हद तक ही उनकी गतिविधि रहती है । (७)

प्र.३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । [४]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. गुणातीतानन्द स्वामी स्वयं अक्षर हैं; ऐसी बात किस किसको बताई ? (१३४)
(१) ☐ साधु केशवजीवनदास (२) ☐ वाघाखाचर
(३) ☐ नाजा कामलिया (४) ☐ नाजा जोगिया

२. अक्षररुप होकर पुरुषोत्तम की स्वामी-सेवक भाव से उपासना करने की बात किन किन ग्रंथो में हैं ? (१०५)
(१) ☐ शिक्षापत्री (२) ☐ सत्संगिजीवन
(३) ☐ हरिचरित्र चिंतामणी (४) ☐ वेदरस

प्र.४ निम्नलिखित किसी एक प्रसंग का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें । [४]

१. ये तो सर्वज्ञ हैं, सर्वदक्ष हैं और धन्वंतरि वैद्य हैं । (१४१)
२. स्वामी ! गाँवों में विचरण कर आओ, तुम्हें शान्ति मिल जाएगी । (७४)
३. रघुवीरजी महाराज की ग्रंथियाँ नष्ट हो गई । (१४६)

प्र.५ किन्हीं दो विषयों के बारे में विवरण कीजिए । (बारह पंक्ति में) [८]

१. गुणातीत संत भगवान का प्रकट स्वरूप एवं सेवक । (१०१)
२. 'स्वामी अक्षर हैं ।' उनके जीवन और कार्य के आधार पर । (१५१)
३. परब्रह्म पुरुषोत्तम नारायण - एक एवं अद्वितीय । (५१)
४. गुणातीत संत की महिमा - अक्षरब्रह्म गुणातीतानन्द स्वामी के शब्दों में । (९५)

प्र.६ निम्नलिखित किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें । (बारह पंक्ति में) [८]

१. अनन्तधामों के पति व उन धामों के मुक्त वे सभी महाराज की मूर्ति में आकृष्ट हो गए हैं । (४२)
२. भगवान को सर्वकर्ताहर्ता जानने की आवश्यकता । (९)
३. श्रीजीमहाराज ब्रह्मस्वरुप सत्पुरुष द्वारा सदाकाल प्रकट रहते हैं । (६७)
४. श्रीजीमहाराज ने नित्यानंद स्वामी से कहा, 'सच्चे उपासक ऐसे होते हैं ।' (५६)

प्र.७ उपासना में क्या समझना चाहिए ? और क्या नहीं समझना चाहिए ? उसके आधार से निम्नलिखित विधानों की पूर्ति कीजिए । [७]

(उपासना में क्या समझना चाहिए ?)

१. धाम में जो परब्रह्म का स्वरुप है ..... ये श्रीजीमहाराज हैं । (१५६)
२. पुरुषोत्तम नारायण की तरह ..... है । (१५६)
३. श्रीजीमहाराज पूर्ण ..... दिव्य हैं । (१५५)
४. सगुण और ..... सूक्ष्म से भी सूक्ष्म है । (१५६)

(उपासना में क्या नहीं समझना चाहिए ?)

५. मुक्तों की आत्मा ..... प्राप्त नहीं करती, ऐसा नहीं समझना चाहिए । (१५८)
६. अक्षरब्रह्म मूर्तिमान ..... तेज है, ऐसा नहीं समझना चाहिए । (१५८)
७. शिक्षापत्री और ..... सकता है, ऐसा नहीं समझना चाहिए । (१५९)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है।
निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महिना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहीं होंगी ।)

प्र.८ टिप्पणी लिखिए । अक्षरधामाधिपति श्रीहरि सर्वोपरि । (३६) **[५]**

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ - प्रथम संस्करण, नवम्बर - २००२ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज - प्रथम संस्करण, नवम्बर - २००३

प्र.९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **[९]**

१. ''ऐसी लीला कभी नहीं देखी ।'' (६८) **अथवा**
२. ''आप उनसे मिलें, मैं अभी आता हूँ ।'' (४)
३. ''आप यहाँ निरंतर रहें, बड़े बड़े यज्ञ कीजिए ।'' (६२) **अथवा**
४. ''गाड़ी को दाहिनी तरफ मोड़ दो ।'' (४६)
५. ''जब यह भड़केगा तो न जाने कितनों को कुचल डालेगा ।'' (३३) **अथवा**
६. ''लो... इसे खा लो, तुम शीघ्र ही स्वस्थ हो जाओगे ।'' (२८)

प्र.१० निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) **[८]**

१. शिवलालभाई को तनिक भी दु:ख नहीं हुआ । (८३) **अथवा**
२. निष्कुलानन्द स्वामी ससुराल में भिक्षा माँगने के लिए गए । (३९)
३. पादरी ने फ्रेंक को चर्च की सभा में प्रमुखस्वामी की बात बताने को कहा । (५७) **अथवा**
४. हरिजन युवानों के मन से हीनता के भाव मिट गए । (२६)

प्र.११ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए । (बारह पंक्ति में) **[८]**

१. नैष्ठिक ब्रह्मचर्यव्रत के आग्रही मुकुंददास । (१७) **अथवा** २. रघुवीरजी महाराज और गुणातीतानन्द स्वामी के बीच स्नेह सम्बंध । (५१)
३. हिन्दुस्तान से एक अद्‌भुत महात्मा पधारे हुए हैं । (५६-५७) **अथवा** ४. स्वामीश्री की भक्तों के प्रति आत्मीयता । (४२)

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[५]**

१. चद्दर का अलौकिक ऐश्वर्य देखकर लालजी भक्त को दृढता से क्या निश्चय हो गया ? (३६)
२. धरमपुर में श्रीजीमहाराज ने भीलों को किस प्रकार वर्तमान दीक्षा धारण कराई ? (६२)
३. दलपतराम ने मुक्तानंद स्वामी की वाणी को क्या उपमा दी ? (२६)
४. चोर को टंकी से किसने बाहर निकाला ? (४४)
५. शान्ति भगत को भागवती दीक्षा कहाँ और कब दी गई ? (१०)

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[८]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. मुक्तानन्द स्वामी द्वारा रचे हुए पद । (२३, २४, २५)
   (१) ☐ ''अनुभवी आनंद में.....'' (२) ☐ ''छांडी के श्रीकृष्ण देव.....''
   (३) ☐ ''सुखदायक रे, स्वामी सहजानन्द.....'' (४) ☐ ''भ्रमणा भांगी रे हैयानी.....''
२. रघुवीरजी महाराज किस किस की राय लेते थे ? (४७)
   (१) ☐ गोपालानन्द स्वामी (२) ☐ शुक स्वामी
   (३) ☐ गुणातीतानन्द स्वामी (४) ☐ नित्यानन्द स्वामी
३. प्रमुखस्वामी महाराज की प्रशंसा करनेवाले धर्मगुरु । (१५)
   (१) ☐ स्वामी आत्मानन्दजी (२) ☐ सच्चिदानन्द स्वामी
   (३) ☐ चिदानन्द स्वामी (४) ☐ शंकराचार्य जयेन्द्र सरस्वती
४. प्रमुखस्वामी महाराज ने बीमारी में भी पधरावनी की हो ऐसे गाँव और विस्तार के नाम । (१७)
   (१) ☐ लक्ष्मीपुरा (२) ☐ वासद
   (३) ☐ त्रिचिनापल्ली (४) ☐ ओदरका

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१४ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ६० वाक्यों में निबंध लिखिए । **[१५]**

१. आध्यात्मिक साधना के पथदर्शक - प्रमुखस्वामी महाराज । २. मानसिक तान : उपाय क्या है ? हमारे भीतर या बाहर ?
३. चातुर्मास आंतर खोज का पर्व ।

सूचना : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ५ जुलाई, २००९ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें ।